

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 6263

Unique Paper Code : 210602

E

Name of the Paper : Philosophy of Religion-II

Name of the Course : B.A. (Hons.) Philosophy

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt *four* questions in all. Q. No. 6 is compulsory.

कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 6 अनिवार्य है।

1. Discuss the ontological argument for the existence of God. Does this argument establish conclusively the existence of God ?

ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए दी गई प्रत्यय सत्ता युक्ति की व्याख्या कीजिए। क्या यह पूर्ण रूप से ईश्वर के अस्तित्व को स्थापित करती है ?

P.T.O.

2. Explain and examine the cosmological argument for the existence of God.

ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए विश्व-कारण युक्ति की व्याख्या एवं परीक्षण कीजिए।

3. What are the significant features of Wittgenstein's conception of religious belief? Discuss.

विटगेन्स्टाइन के धार्मिक विश्वास की धारणा की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं? विवेचन कीजिए।

4. "God is not an omnipotent and omnipresent being." (H. J. McCloskey). Elucidate with reference to the problem of physical evil.

"ईश्वर सर्वशक्तिमान एवं सर्वव्यापी नहीं है।" (एच. जे. मैक्लोस्की)। इस कथन की पुष्टि भौतिक अशुभ के संदर्भ में कीजिए।

5. Write short notes on any two of the following :

(i) Teleological Argument for the existence of God

(ii) Non-cognitivist view of religious language

(iii) Moral evil.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) ईश्वर अस्तित्व के लिये प्रयोजन युक्ति

(ii) धार्मिक भाषा के संदर्भ में असंज्ञानात्मक विवाद

(iii) नैतिक अशुभ।

6. (i) "Clifford defends the notion that we have a strict duty never to hold beliefs which have insufficient evidence." Do you agree with Clifford's view in this regard ? Discuss.

“क्लिफर्ड इस विचार का समर्थन करते हैं कि अपर्याप्त साक्ष्य के होने पर किन्हीं विश्वासों को कभी भी स्वीकार न करना हमारा अनिवार्य कर्तव्य है।” क्या आप इस संबंध में उनसे सहमत हैं ? विवेचना कीजिए।

Or

(अथवा)

- (ii) Does Pascal succeed in showing that it is fruitful to believe in God than not to believe in him ? Discuss.

क्या पास्कल यह दिखाने में सफल हुए हैं कि ईश्वर में विश्वास, ईश्वर में अविश्वास की अपेक्षा अधिक उपयोगी है ? व्याख्या कीजिए।